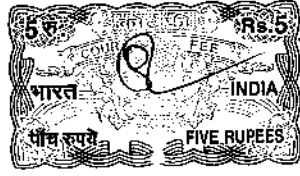
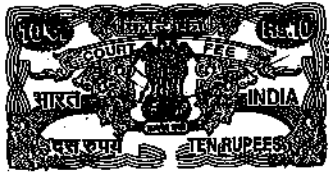


104



## न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक /2012 जिला-सीधी

रिक्त 387 I/12

श्री. विष्णु प्रसाद सुतीक्ष्ण प्रसाद  
द्वारा आज दि. 9/11/12 को  
प्रस्तुत

कलक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

- (1) विष्णुप्रसाद पुत्र सुतीक्ष्ण प्रसाद, निवासी- कुंआ तहसील रामपुर नैकिन जिला-सीधी (म.प्र.)
- (2) मनरजुआ पुत्र उदित नारायण, निवासी- भितरी, तहसील रामपुर नैकिन जिला-सीधी (म.प्र.)

..... आवेदकगण

विरुद्ध

- (1) रामानन्द पाण्डेय पुत्र अनुरुद्ध प्रसाद पाण्डेय, निवासी- ग्राम कटेरी, तहसील सिरमौर, जिला-रीवा (म.प्र.)
- (2) रविशंकर शुक्ला पुत्र रामनरेश, निवासी- ग्राम झगरी हाल मुकाम सीधी (म.प्र.) वर्तमान पटवारी हल्का बम्हनी तहसील गोपदवनास जिला-सीधी

..... अनावेदकगण

माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक 1282-III/2011 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 22.10.2012 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 51 के अधीन पुनर्विलोकन।

माननीय महोदय,

आवेदकगण की ओर से निम्नांकित निवेदन है :-

मामले के संक्षिप्त तथ्य :

- 1- यहकि, आवेदकगण द्वारा ग्राम कुंआ में स्थित भूमि आराजी क्रमांक 550, 553 के भूमि स्वामी एवं आधिपत्यधारी अनुरुद्ध पिता रामाचार्य राम थे, जो कि विगत 15-20 वर्षों से लापता हो गये हैं। तत्पश्चात् उपरोक्त भूमि के भूमि स्वामी उनका पुत्र रामानन्द पाण्डेय हो गया था तथा रामानन्द पाण्डेय द्वारा विवादित भूमि का विक्रय आवेदकगण विष्णुप्रसाद पुत्र सुतीक्ष्ण प्रसाद को रकवा 2/3 एवं मनरजुआ पुत्र उदितनारायण राम को रकवा 1/3 का किया गया था। अतः उक्त विक्रय टीप के आधार पर आवेदकगण द्वारा विवादित भूमि पर नामान्तरण कराये जाने बाबत आवेदन-पत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कुंआ को प्रस्तुत किया था। ग्राम पंचायत कुंआ द्वारा प्रकरण में विधिवत् रूप से इस्तहार का प्रकाशन कर आपत्तियां आमंत्रित कर प्रस्ताव क्रमांक 14 दिनांक 07.02.2002 द्वारा आवेदकगण के हित में जरिये विक्रय टीप के आधार पर नामान्तरण के आदेश दिये गये थे।

9/11/12

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 3877-एक/12

जिला -सीधी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषक आदि के हस्ताक्षर
२९-6.16	<p>आवेदक की ओर से श्री के० के० द्विवेदी उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा प्रकरण में तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक के अधिवक्ता द्वारा रिव्यु प्रकरण के प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया।</p> <p>2-यह रिव्यु आवेदन-पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 1282-तीन/2011 में पारित आदेश दिनांक 22.10.2010 के विरुद्ध प्रस्तुत पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक 3877-एक/12 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने गये।</p> <p>3- आवेदक के अधिवक्ता की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 1282-तीन/2011 में वर्णित हैं। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 29.12.05 से किया जा चुका है।</p> <p>4- रिव्यु प्रकरण क्रमांक 3877-एक/12 म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है :-</p>	

M

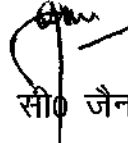


अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती ।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।

आवेदक ने रिष्य का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिष्य आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिष्य प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभयपक्ष सूचित हों । प्रकरण दा0 द0 हो । राजस्व मण्डल का प्रकरण अभिलेखागार में संचय हेतु भेजा जावे।

  
(के० सी० जैन)  
सदस्य

M